A-PDF Text Replace DEMO: Purchase from www.A-PDF.com to remove the watermark

QUESTION POOL HINDI

QUESTIONS & ANSWERS

STANDARD X

तैयारी2017

हिंदी

Prepared by *ASOK KUMAR N. A*
GHSS Perumpalam
Alappuzha (dt)
Mob: 9447378576

ashokhindi blogspot. com

जाति प्रथा एक अभिशाप -विषय पर लेख तैयार करें।

लेख

जाति प्रथा एक अभिशाप

एक ज़माने में हमारे देश में जातिप्रथा ज़ोरों में था ।कानून ने इसे सामाजिक अपराध कहा जाता है, लेकिन वास्तव में इसे मानवीय अपराध का नाम दिया जाए तो कुछ गलत न होगा।ईश्वर ने या प्रकृति ने इस संसार की रचना की है ।उसने सबको समान बनाया है।कोई ऊँचे कुल में जन्मा , कोई गरीब , कोई मेहनतकश परिवार में ।ऊँचे और नीचे कुल के , गरीब और अमीर घर में जन्म लेने का इसमें व्यक्ति का अपना कोई दोष नहीं।

लेकिन जाति के नाम पर हमारे यहाँ निम्नवर्ग के लोगों को कई प्रकार की यातनाएँ झेलनी पड़ी। ऊँची जाति के लोग निम्नजाति के लोगों को अपने बराबर में बैबैठने नहीं देते ।निम्नजाति के लोगों से छुआ पानी नहीं पीते , मंदिर में प्रवेश न करने देता।

किसी को जन्म के आधार पर नीच जाति मानना निंदनीय अपराध है।जातिप्रथा को रोकने केलिए देश के संविधान निर्माताओं द्वारा महत्वपूर्ण प्रयास किए गए है।लेकिन आज भीयह नए- नए रूप में मैजूद है।

मूल्यांकन सूचक

* *उचित शीर्षक*
* *भूमिका*
* *विषय विश्लेषण*
* *उपसंहार*

गंगी के चरित्र पर टिप्पणी लिखिए।

चरित्र पर टिप्पणी

गंगी

प्रेमचंद की कहानी ठाकुर का कुआँ का प्रमुख पात्र है - गंगी ।कहानी के आरंभ में वह पति को पीने का पानी देती है।लेकिन पानी पीने योग्य नहीं था, उसमें सख्त बदबू थी । दूर के कुएँ से वह प्रतिदिन शाम पानीपानी भर लाती थी ।कल वह पानी लाई तो उसमें बदबू न थी।पति जोखू प्यास रोक न सकने पर खराब पानी पीने को तैयार हो गया ।लेकिन गंगी न देती ।वह जानती थी कि खराब पानी पीने से पति का बीमार बढ़ जाएगा।गंगी पति के स्वास्थ्य पर चिंता रखनेवाली है।

निम्नजाति होने के कारण ठाकुर के कुएँ से गंगी पानी न भर सकती। जाति प्रथा के बारे में सोचते वक्त हम गंगी में एक विद्रोही का मन देखते हैं।उसकी शंका यह थी कि वह क्यों नीच है और ये लोग क्यों ऊँचे है . . कहते है जाति से ऊँच पर करते हैं निम्न बातें ।ऐसे सोचकर बड़ी सावधानी से कुएँ की ओर चली। देवताओं कोॅयाद करके उसने घड़ा कुएँ में डाल दिया ।घड़े को पकड़करलजगत पर रखने वह झुकी कि एकाएक ठाकुर का दरवाज़ा खुल गया। गंगी का धैर्य टूट गया और उसके हाथ से रस्सी टूट गयी। रस्सी के साथ घड़ा धड़ाम से पानी में गिरा ।कौन है, , कौन है पुकारते हुए ठाकुर कुएँ की तरफ आए। इसी बीच गंगी जगत से कूदकर भागी।

इस प्रकार पति के स्वास्थ्य पर चिंता रखनेवाली धीर और जातिप्रथा को घृणा करनेवाली नारी की प्रतिनिधि है गंगी

मूल्यांकन सूचक

* कहानी एवं कहानीकार का परिचय
* कहानी में पात्र की भूमिका का परिचय
* पात्र के मनोभाव एवं व्यवहारों का विश्लेषण
* अपना दृष्टिकोण

बच्चे काम पर जा रहे हैं - कविता की आस्वादन टिप्पणी तैयार करें।

आस्वादन टिप्पणी

बच्चे काम पर जा रहे हैं

श्री राजेश जोशी हिंदी के आधुनिक कवियों में प्रमुख हैं। "बच्चे काम पर जा रहे हैं" बाल मज़दूरी पर तीखा प्रहार करनेवाली कविता है। मनुष्यता को बचाए रखने का एक निरंतर संघर्ष आपकी कविताओं की विशेषता है।

कवि कहते हैं - जब सड़क कोहरे से ढ़का हुआ है तब बच्चे काम पर जा रहे हैं। ये बच्चे खिलौने, किताब, गेंद, स्कूल, खेलने के मैदान इन सबसे वंचित हैं। कवि पाठकों से कुछ प्रश्न पूछते हैं - क्या सारे खिलौने काले पहाड़ के नीचे दब गए है ? सारी गेंदें अंतरीक्ष में गिर गई हैं ? सारी रंग - बिरंगी किताबों को दीमकों ने खा लिया है ? इन प्रश्नोंके माध्यम से कवि कहते हैं कि बचपन उन्हें काम पर जाने का समय नहीं। बच्चों का काम पर जाने का समय नहीं। बच्चों का काम पर जाना कितना भयानक है !

कवि पूछते हैं - बच्चे क्यों काम पर जा रहे हैं ? इस सवाल का जवाब यह था कि यदि परिवार बेहद गरीब है और बहूत संकट में है, तब माता- पिता को अपने बच्चे को काम पर तो भेजना होगा।

जो भी हो आज भी दुनिया की हज़ारों सड़कों से सुबह छोटे- छोटे बच्चे काम पर जा रहे हैं।

हम सबको मालूम है कि बच्चे राष्ट्र की अमूल्य निधि को संपूर्ण सुरक्षा प्रदान करना, इनके आर्थिक एवं नैतिक मूल्यों के विकास का दायित्व केवल उन परिवारों का ही नहीं, वरन् उस समाज तथा देश का भी है जहाँ वे बड़े होते हैं और जहाँ रहते हैं। बालश्रमिकों के शोषण की यह परंपरा अनादि काल से चली आ रही है और तथा अभी भी समाज में एक मान वीय कलंक के रूप में व्याप्त है।

मूल्यांकन सूचक

** कवि और कविता का परिचय*

** पंक्तियों का विश्लेषण*

** बिंब और प्रतीकों का संबन्ध*

** अपना दृष्टिकोण*

बालश्रम के विरूद्ध एक पोस्टर तैयार करें।

पोस्टर

मूल्यांकन सूचक

** विषय से संबन्धित*

** संक्षिप्तता*

** संदेश*

** आकर्षक*

सत्यजीत राय और रेलवे अधिकारी के बीच का संभावित बातचित तैयार करें।

वार्तालाप

सत्यजित राय :- मैं सोनार केल्ला फिल्म की शूटिंग केलिए आ गया हुँ ।

स्टेशन मास्टर :- कहिए क्या सेवा होनी है

सत्यजित राय :- हमारी शूटिंग केलिए एक रेलगाड़ी चाहिए ।

स्टेशन मास्टर : - किधर शूटिंग करनी है

सत्यजित राय :- पोखरण , जोधपूर और जैसलमेर के बीच की पठरी में ।

स्टेशन मास्टर : मीटर गेज लाइन में कोयले का इस्तेमाल है।

सत्यजित राय :- तो क्या , हमें भी धुओं के साथ चली गाड़ी चाहिए ।

स्टेशन मास्टर :- कोयले का दाम बढ़ जाने के कारण उस गाड़ी को रद्द कर दिया है।

सत्यजित राय :- कोयले का खर्च हम देंगे ।हमें एक पूरी रेलग़ाड़ी मिलनी है थर्ड क्लास कोयला ले जाने केलिए एक डिब्बा भी चाहिए।

स्टेशन मास्टर :- कुल छह डिब्बे होंगे ।

सत्यजित राय :- बहूत धन्यवाद , मेरी पसंद का यडह दृश्य फिलमाने का इंतज़ाम करूँ ?

स्टेशन मास्टर :- ज़रूर . . . .

मूल्यांकन सूचक

**प्रसंगानुकूल*

**पात्रानुकूल भाषा*

सहेली के नाम गुठली का पत्र तैयार करें।

मुबई

12-1-2015

प्यारी सहेली ,

तुम कैसी हो ? ठीक हो न ? घर में सब कुशल है न ?

कई दिन से तुझे एक बात कहना चाहती हुँ ।क्या लड़का -लड़की एक समान नहीं है ?

लड़का -लड़की का समान अधिकार है ? मेरी बुआ कहती है जिस घर में मेरा जन्म हुआ वह मेरा घर नहीं ।घर की लड़की तो और किसी की अमानत है ।ससुराल ही मेरा असली घर होगा आदि।दीदी की शादी के कार्ड पर मेरा नाम नहीं छपवाया है।इससे मैं बहूत दुखी हुँ।हमारे समाज में लड़कियों को कोई स्थान नहीं ?

इसके विरुद्ध ज़रूर आवाज़ उठाना है।क्या तू मेरे साथ देगी ?

तेरी खत की प्रतीक्षा में

तुम्हारी सहेली

गुठली

सेवा में

.....

.....

.....

गुठली परिवारवालों की बातों से तरस गयी है वह उस दिन की डायरी में अपनी विचारधारा प्रकट करती है। ***गुठली की डायरी तैयार करें।***

रविवार ८ बजे

न जाने मेरी दीमाग में अब कई सवालें गूँजती हैं। इन सबका हल ढुँढना मेरे वश की बात नहीं। क्यों ये इस प्रकार बरताब करते । मेरी भाई तक कुछ कहती नहीं। मेरे अलावा सबके नाम शादी के कार्ड पर है, मैं तो परायी, दूसरे की अमानत । मुझे तो कलाई आती। शादी की सारी खुशी मिट्टी में मिल गई ।ये बुआ तो मधुर वचन में कंजूसी दिखाती । चलने फिरने तक रोकदाम है ।मैं तो यह सब माननेवाली नहीं। मुझे तयकरना है मेरा रास्ता ।

<u>मूल्यांकन सूचक</u>

* घटना का संकेत
* मानसिक और शारीरिक विकार
* आत्मनिष्ठ भाषा

पटकथा

बीरबहूटी कहानी की किसी मनपसंद घटना की पटकथा तैयार करें।

दृश्य	*संवाद*
(समय- शाम ५ बजे । *दृश्य में पाँचवीं दर्जे के साहिल और बेला ।* *वे स्कूल यूनिफ़ोम में हैं। दोनों का चेहरा उदास ।* *स्कूल रिपोर्ट कार्ड पर देखकर खड़े हैं।)* *(आसमान में बादल भरी है। दोनों एक दूसरे से बिदाई लेते । बेला के भूरे बाल लाल रंग के रिबन से बंधे हैं । साहिल की पिंडली में चोट का निशान है।)*	*बेला- अरे, क्यों इतना उदास है ?* *साहिल - बेला,* *मेरी पढ़ाई इधर न होगी । पापा ने कहा मुझे अजमेर में भेजकर पढ़ाने का इरादा है।* *बेला - मैं भी, मुझे राजकीय कन्या पाठशाला भेजेंगे।* *साहिल - तब यह आखिरी मुलाकात है।* *बेला - अजमेर जाए तो यहाँ न लौटेगा ?* *साहिल - वहाँ होस्टल में रहूँगा।* *मुझे लगता मैं बिलकुल अकेला बन गया हुँ ।* *बेला - साहिल, तेरी आँखें क्यों लाल हो गयी ?* *साहिल - मुझे क्या पता ?* *तेरी आँखें भी भर गयी है।* *बेला - हाँ, बीरबहूटी भी लाल है, तेरी आँखें भी. .*

मूल्यांकन सूचक

* *दृश्य का उल्लेख*
* *समय का उल्लेख*
* *पात्रों का उल्लेख*
* *स्वाभाविक और पात्रानुकूल संवाद*

टिप्पणी

अकाल और उसके बाद

कई दिनों तक चुल्हा रोया , चक्की रही उदास
कई दिनों तक कानी कुतिया सोई उनके पास
कई दिनों तक कानी कुतिया सोई उनके पास
कई दिनों तक लगी भीत पर छिपकलियाँ की गश्त
कई दिनों तक चूहों की भी हालत रही शिकस्त ।

यहाँ कवि नागार्जुन अकाल की दयनीय स्थिति का वर्णन करता है। कवि कहते है कि कई दिनों से वहाँ अकाल पड़ा था । अकाल के दिनों में घर में अनाज का एक दाना भी नहीं था । घर में भोजन नहीं बनाया था । कई दिनों से घर का चुल्हा नहीं जलाया था । इसलिए चुल्हा रोता रहा था चक्की भी उदास पड़ी थी । क्योंकि पीसने केलिए घर में दाने नहीं थे ।चुल्हा और चक्की के पास घर की कानी कुतिया कई दिनों से सोती रही थी। घर की दीवारों पर छिपकलियाँ घूम रही थी। चूहों को खाने केलिए कुछ नहीं मिला था । इसलिए उनकी हालत भी दयनीय थी।

मूल्यांकन सूचक

* *कवि और कविता का परिचय*
* *कविता का आशय*
* *भाषापरक विशेषताओं का विश्लेषण*
* *प्रसंगिकता , अपना दृष्टिकोण*

टिप्पणी

"हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था
व्यक्ति को मैं नहीं जानता था
हताशा को जानता था ।"

प्रस्तुत पंक्तियाँ श्री विनोद कुमार शुक्ल की कविता "हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था " से ली गई हैं। इन पंक्तियों में कवि जानने की हमारी जानी- पहचानी रूढ़ी को तोड़ देते हैं। किसी व्यक्ति को उसके नाम , पते , उम्र, ओहदे या जाति से जानना और उनके एहसासों या दर्दों से जानना अलग है। दर्द और एहसास सबके एक जैसे होते हैं। उसं समझने केलिए किसी को वैयक्तिक रूप से जानने की ज़रूरत नहीं । उनकी मदद करने केलिए ये दर्द और एहसास समझना ही काफ़ी है।

मूल्यांकन सूचक

- *कवि और कविता का परिचय*
- *पंक्तियों का आशय एवं विशेषताएँ*
- *प्रतीकों की प्रासंगिकता एवं समर्थन*
- *शीर्षक की सार्थकता*

टिप्पणी

टूटा पहिया

टूटा पहिया कविता धर्मवीर भारती की प्रतीकात्मक कविता है। इसमें महाभारत की पौराणिक घटना के आधार पर आधुनिक सामाजिक जीवन पर कठोर व्यंग्य करता है। किशोर वय के अभिमन्यू

ने चक्रव्यूह में अकेले ही प्रवेश किया । महारथियों ने इस दुस्साहसी को घेर कर फँसा दिया । उसका हथियार नष्ट हुआ ।अभिमन्यू ने रथ के टूटे पहिये को अस्त्र बनाकर शत्रुओं का सामना किया ।

इस घटना आधुनिक काल में भी प्रसंगिक है। टूटा पहिया समाज से बहिष्कृत निम्न लोगों का प्रतीक है। तुच्छ या हाशिये पर लगे होने पर भी समाज की दुसंधी में ये लोग काम आयेंगे। अधार्मिक घटनाएँ महाभारत काल से आज तक चली आ रही है। आज सामूहिक गति महारथियों के इशारे के अनुसार बदलती है। सत्य, धर्म की रक्षा करने केलिए टूटा पहिए का सहारा लेना पड़ता ।

मूल्यांकन सूचक

* कवि और कविता का परिचय
* कविता का आशय
* भाषापरक विशेषताओं का विश्लेषण
* प्रसंगिकता , अपना दृष्टिकोण

सही मिलान करो ।

टूटा पहिया	*समस्याएँ*
चक्रव्यूह	*अधर्म के विरोधी*
अभिमन्यू	*महाशक्ति*
ब्रह्मास्त्र	*लघु मानव*

सही मिलान (उत्तर)

टूटा पहिया	*लघु मानव*
चक्रव्यूह	*समस्याएँ*
अभिमन्यू	*अधर्म के विरोधी*
ब्रह्मास्त्र	*महाशक्ति*

सत्यजीत राय की डायरी

मंगलवार 24

फिल्म की कहानी को स्टुडियो के बाहर शूटिंग करने में बहूत सारी कठिनाइयाँ हैं।
इस बार सोनार केल्ला की शूटिंग में यह ठीक निकला ।एक उचित स्थान की तलाशी में जोधपूर से जैसलमेर तक डेढ़ सौ मील मैं ने यात्रा की ।ऊँट और गाड़ी के इंतज़ाम केलिए कड़ी मेहनत की । कोयल भी हमने खरीद दिया ।लेकिन क्या फायदान तीन बार शूटिंग होने के बाद कामयाबी मिली। एक बार ड्राइवर ने रूमाल हिलाते देखकर गाड़ी रोक दी, दूसरी बार गाड़ी में धुआँ नहीं था । सूरज ढलने के पहले शूटिंग करनी थी। हमने बहूत अधिक कोशिश की।अंत में सोनार किला सिनिमा की पूर्ति हुई।

<u>मूल्यांकन सूचक</u>

- *घटना का संकेत*
- *घटना संबन्धित विचार*
- *मानसिक विकार*
- *शारीरिक विकार*

रपट

पाँच साल के एक बालक ने हाँल को हँसीघर में तब्दील कर दिया

वाशिंगटन : यहाँ के दि कैटीन नामक थियेटर में प्रदर्शन हो रही थी । स्टेज पर गायिका और अभिनेत्री हेन्ना हिल थी। गाते- गाते अचानक उसकी आवाज़ फटकर फुसफुसाहट में बदल गई। लोग चिल्लाने लगे। इस अभद्र शोर ने हेन्ना को स्टेज में हटने को मज़बूर कर दिया । मंच के पीछे वह रोई । हेन्ना और मैनेजर के बीच बहस होते देख हेन्ना के पाँचवर्षीय बेटा चार्ली वहाँ आया । मैनेजर उसे स्टेज पर भेजने की ज़िद की। वह मंच पर आए और उसने उस समय का मशहूर गीत "जैक जोन्स" गाया । दर्शकों से बातचित की, नृत्य किया और अपनी माँ सहित कई गायकों की नकल उतारी । स्टेज पर ज़मकर पैसे बरसे । दर्शकों ने देरतक खड़े होकर तालियाँ बजाई और उसकी तारीफ़ की। यह पाँचवर्षीय बालक ने हाँल को हँसीघर में तब्दील कर दिया । पाँचवर्षीय बालक का यह पहला शो था।

मूल्यांकन सूचक

** रपट वस्तुनिष्ठ हो।*

** क्या, कौन, कब, कैसे, कहाँ आदि प्रश्नों के उत्तर देने लायक हो।*

** अपना दृष्टिकोण*

** आकर्षक शीर्षक*

मिहिर का पत्र

पून्नै
जनवरी १०

प्रिय दोस्त,

सप्रेम नमस्ते ।

मैंने अपनी जैसलमेर की यात्रा के दौरान भारत और पाकिस्तान की सीमा देखने गया । जैसलमेर से सौ किलोमीटर दूरी पर बाँडर है ।। भारत की सीमा पर तारबंदी है । सीमा पार करना मुश्किल है । सीमा पर खड़े होकर मैं ने देखा दोनों स्थानों में ज़मीन, धूप, धूल, हवा सब एक है । फिर भी वेश, धर्म, शासन, वेश, भाषा आदि के कारण दोनों में अन्तर है ।

अरे यार, मेरी यात्रा तो ट्वन्टी - ट्वन्टी मैच जैसी थी । प्रकृति का पल- पल परिवर्तित रूप उल्लासमय है । ठंडे देश के गरम प्रदेश में पहूँच जाने पर गरम कपड़े उतारने पड़े । अचानक धूल का तूफ़ान आया । हमारे शरीर झुलस गये । यात्रा के बीच सोनार किला देखने का नौबत मिला । इधर अब पर्यटकों की संख्या कम हुई है । एक बोर्ड पर देशवासियों की प्रतिक्रिया भी देखी । रेंगिस्तान में ऊँट की सवारी भी मज़ेदार है । सीमावर्ति इलाकों में भारत और पाकिस्तान की सीमा देखी । यह यात्रा बिलकुल मज़ेदार अनुभव था । लौटती डाक में ही जवाब ज़रूर देना । आशा करता है फिर मिलेंगे ।

तुम्हारा मित्र
मिहिर

सेवा में
पता

मूल्यांकन सूचक

* स्थान और तारीख
* संबोधन
* स्वनिर्देश
* कलेबर
* उपसंहार
* भेजनेवाले का पता

QUESTION POOL HINDI

QUESTIONS & ANSWERS

STANDARD X

तैयारी2017

हिंदी

Prepared by *ASOK KUMAR N. A*
GHSS Perumpalam
Alappuzha (dt)
Mob: 9447378576

ashokhindi blogspot. com